श्रीबालकृष्ण लघु पूजन

निम्न मन्त्रों के द्वारा तीन बार आचमन करे :

केशवाय नमः । नारायणाय नमः । माधवाय नमः ।

अब **"गोविंदाय नम:"** इस मन्त्र का उच्चारण कर अँगूठे के मूल भाग के द्वारा ओष्ठों को दो बार पोंछ ले तत्पश्चात् **"हृषीकेशाय नम:"** मन्त्र के द्वारा हस्त प्रक्षालन करके फिर अपने दक्षिण अंगुष्ठ के द्वारा अपनी नाक, अपने नेत्रों तथा अन्त में अपने दोनों कर्णों का स्पर्श करे।

पवित्रीकरण-

बाएं हाथ में जल लेकर निम्न मंत्र उच्चारित करे :

अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तर: शुचि:॥

अब अपनी मध्यमा तथा अनामिका अँगुली के द्वारा उस जल को **"पुण्डरीकाक्ष: पुनातु, पुण्डरीकाक्ष: पुनातु, पुण्डरीकाक्ष: पुनातु"** इन मन्त्रों का एक-एक बार उच्चारण करते हुए कुल तीन बार अपने ऊपर तथा पूजन सामग्री पर छिड़क ले।

सङ्कल्प-

हाथ में जल लेकर निम्न वाक्य उच्चारित करे :

"अहमद्य श्रीगणेशस्मरणपूर्वकं श्रीबालकृष्णप्रीत्यर्थं श्रीबालकृष्णपूजनं करिष्ये ।"

अब जल को किसी पात्र में छोड़कर फिर निम्न मन्त्रों से श्रीगणेश स्मरण करे।।

श्रीगणेश स्मरण-

सुमुखश्चैकदन्तश्च कपिलो गजकर्णकः । लम्बोदरश्च विकटो विघ्ननाशो विनायकः ॥

धूम्रकेतुर्गणाध्यक्षो भालचन्द्रो गजाननः । द्वादशैतानि नामानि यः पठेच्छृणुयादपि ॥

विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा । सङ्ग्रामे संकटे चैव विघ्नस्तस्य न जायते ॥

श्रीबालकृष्ण लघु पूजन

ध्यान-

बालं नीलाम्बुजाभमतिशयरुचिरं स्मेरवक्त्राम्बुजं तं

ब्रह्मेशानन्तधर्मैः कतिकतिदिवसैः स्तूयमानं परं यम्।

ध्यानासाध्यमृषीन्द्रैर्मुनिगणमनुजैः सिद्धसंघैरसाध्यं

योगीन्द्राणामचिन्त्यमतिशयमतुलं साक्षिरूपं भजेऽहम् ॥

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः । ध्यायामि, ध्यानार्थे पुष्पं समर्पयामि ॥

मैं श्याम-मेघ के समान अभिराम आभावाले साक्षिस्वरूप भगवान् बालमुकुन्द का भजन करता हूँ, जो अत्यन्त सुन्दर हैं तथा जिनके मुखारविन्द पर मन्द मुस्कान की छटा छा रही है। ब्रह्मा जी, शिव जी, शेषनाग जी और सर्वसाक्षी धर्म ये कई-कई दिनों तक उन परमेश्वर की स्तुति करते रहते हैं। बड़े-बड़े मुनीश्वर भी ध्यान के द्वारा उन्हें अपने वश में नहीं कर पाते हैं। मनु, मनुष्यगण तथा सिद्धों के समुदाय भी उन्हें रिझा नहीं पाते हैं। योगीश्वरों के चिन्तन में भी उनका आना सम्भव नहीं हो पाता है। वे सभी बातों में सबसे बढ़कर हैं; उनकी कहीं कोई तुलना नहीं है॥

आवाहन-

सपरिवारं श्रीबालकृष्णमावाहयामि । आवाहनार्थे पुष्पं समर्पयामि ॥

आसन-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। आसनार्थे अक्षतान् समर्पयामि ॥

स्नान-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। स्नानं समर्पयामि ॥

वस्त्र तथा उपवस्त्र-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। वस्त्रोपवस्त्रं समर्पयामि ॥

आभूषण-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। आभूषणानि समर्पयामि ॥

गन्ध-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। गन्धं समर्पयामि ॥

अक्षत-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। अक्षतान् समर्पयामि ॥

पुष्प तथा पुष्पमाला-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। पुष्पं पुष्पमालां च समर्पयामि

तुलसी-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। तुलसीदलं समर्पयामि ॥

धूप-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। धूपमाघ्रापयामि॥

दीप-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। दीपं दर्शयामि ॥

नैवेद्य तथा पानीय जल-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। नैवेद्यं निवेदयामि, पानीय जलं च समर्पयामि ॥

दक्षिणा-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। दक्षिणां समर्पयामि ॥

अब श्रीभगवान् की आरती करें।

आरती-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। नीराजनं समर्पयामि ॥

अपराध क्षमापन-

अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया। तवाहमिति मां मत्वा क्षमस्व मधुसूदन ॥

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् । पूजां चैव न जानामि क्षमस्व परमेश्वर ॥

पूर्णता की प्रार्थना-

मंत्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं जनार्दन । यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे ॥

प्रमादात् कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत् । स्मरणादेव तद् विष्णोः सम्पूर्णं स्यादिति श्रुतिः॥

अच्युताय नमः, अच्युताय नमः, अच्युताय नमः॥

समर्पण-

अब हाथ में जल लेकर “अनेन यथाज्ञानोपचारकृतेन पूजनेन परिवारदेवतासहित श्रीबालकृष्णः प्रीयतां न मम ॥” यह उच्चारित कर जल छोड़ दे।

विसर्जन-

सपरिवाराय श्रीबालकृष्णाय नमः। विसर्जयामि, विसर्जनार्थे अक्षतान् पुष्पं च समर्पयामि।।

जन्माष्टमी की रात भगवान् को निम्न मन्त्र से शयन कराना चाहिए :

"सर्वाय सर्वेश्वराय सर्वपतये सर्वसम्भवाय गोविन्दाय नमो नमः"

॥ इति श्रीबालकृष्ण लघु पूजन ॥